大学印地语专业教材

# 印地语阅读

## 第一册

孙卫国 编

中国人民解放军外国语学院第五系
二〇〇二年

# विषय सूची


| | | |
|---|---|---|
| पहला पाठ | वर्षा का दिन | 1 |
| दूसरा पाठ | संवाद | 5 |
| तीसरा पाठ | मेरा शरीर | 10 |
| चौथा पाठ | दो पड़ौसिनें | 16 |
| पांचवां पाठ | नैपोलियन और नवयुवक | 23 |
| छठा पाठ | पत्थर का चेहरा | 32 |
| सातवां पाठ | आगरे का सौंदर्य | 39 |
| आठवां पाठ | सफ़ाई और सजावट | 46 |
| नवां पाठ | सूर्य | 53 |
| दसवां पाठ | चंद्र | 63 |
| ग्यारहवां पाठ | नेपाल | 71 |
| बारहवां पाठ | पाकिस्तान और बंगला देश | 80 |
| तेरहवां पाठ | श्रीलंका | 92 |
| चौदहवां पाठ | मेरी होली | 105 |
| पंद्रहवां पाठ | एक दिन | 111 |
| सोलहवां पाठ | भारत की जलवायु | 118 |
| सत्रहवां पाठ | भारतीय स्वतंत्रता संग्राम | 129 |
| अठारहवां पाठ | पृथ्वी | 142 |

## वर्षा का दिन

आज वर्षा का दिन है । आकाश में काले बादल छाये हुए हैं। आज हमें विद्यालय भी जाना है । इसलिए आओ, छाते ले लें । वर्षा से बच जाएंगे, भीगेंगे नहीं ।

लो हम चल पड़े । पानी रिम-झिम रिम-झिम बरस रहा है परंतु हम भीगेंगे नहीं, हमारे पास छाते हैं ।

देखो, बिजली भी चमक रही है । अब गड़गड़ की आवाज़ भी सुनाई दे रही है । उधर देखो, काला बादल आ गया है । दिन में भी अंधेरा हो रहा है । सूरज का पता तक नहीं चलता।

सब ओर पानी ही पानी है । नाले चल रहे हैं । पक्षी वृक्षों पर छिपे बैठे हैं । मौसम सुहावना है । न गर्मी, न सर्दी ।

वर्षा से सब ओर हरियाली ही हरियाली हो गई है । पेड़-पौधे हरे-भरे हैं । ज़मीन पर हरी भरी घास उगी हुई है । यह हरियाली हमें बहुत अच्छी लगती है ।

देखो, वर्षा अधि तेज़ हो चली है । चलो, ज़ल्दी जल्दी चलें। हमारा विद्यालय अब पास ही है ।

यह लो, विद्यालय आ गया । हम आराम से पहुंच गए ।

## झूठ का फल

बहुत दिनों की बात है, किसी गांव में एक लड़का रहता था। उस का नाम धोलू था । धोलू भेड़-बकरियां चराता था । वह सबेरे ही भेड़-बकरियों को पास की पहाड़ी पर चराने ले जाता था । दिन भर भेड़-बकरियां पहाड़ी पर चरती रहती थीं और वह उन की रखवाली करता था ।

धोलू को झूठ बोलने की आदत थी । वह बात बात में झूठ बोलता था । उस के माता-पिता बहुत अच्छे थे । वे कभी झूठ नहीं बोलते थे । वे सदा कहा करते थे--"झूठ बोलना पाप है" वे धोलू को समझाया

करते थे--"धोलू, तुम झूठ मत बोला करो"

एक दिन दोपहर के समय धोलू पहाड़ी पर भेड़-बकरियां चरा रहा था । उस ने पहाड़ी पर खड़ा होकर ज़ोर ज़ोर से चिल्लाना शुरू किया--"मुझे बचाओ, शेर आया, मुझे बचाओ ।"

गांव वालों ने धोलू के चिल्लाने की आवाज़ सुनी और वे अपनी अपनी लाठियां और बरछे लेकर उस की ओर दौड़े । पहाड़ी पर पहुंचकर धोलू से पूछा--"शेर कहां है?" धोलू ने कहा--"मैं तो वैसे ही चिल्ला रहा था । यहां शेर नहीं आया ।" धोलू की बात सुनकर गांव वालों को बहुत दुःख हुआ । वे वापिस चले गए ।

एक दिन सचमुच शेर आ गया । धोलू शेर को देखकर ज़ोर ज़ोर से चिल्लाने लगा--"शेर आ गया, मुझे बचाओ, मुझे खा जाएगा ।" गांव वालों ने धोलू की आवाज़ सुनी । उन्होंने सोचा इसे तो झूठ बोलने की आदत है । पहाड़ी पर शेर नहीं है । वे उसे बचाने के लिए नहीं गए ।

शेर ने धोलू पर हमला किया और उसे खा गया । झूठे धोलू को झूठ बोलने का फल मिल गया ।

## शब्दावली

| | | |
|---|---|---|
| रिम-झिम | पु० | 哗哗声 |
| बादल | पु० | 云，云彩 |
| छाना | स०,अ०क्रि | 遮住；展开 |
| छाता | पु० | 伞 |
| बिजली | स्त्री० | 电 |
| बिजली चमकना | | 闪电 |
| गड़बड़ | पु० | 杂乱，嘈杂 |
| सुनाई देना | मु० | 传出声音 |
| अंधेरा | पु० | 黑暗 |

| | | |
|---|---|---|
| नाला | पु० | 水沟，水渠 |
| सुहावना | वि० | 美丽的，美妙的，宜人的 |
| हरियाली | स्त्री० | 青绿色 |
| हरा-भरा | वि० | 绿色的，翠绿的 |
| उगना | अ०क्रि० | 生长，发芽 |
| झूठ | पु० | 谎话，谎言 |
| भेंड़ | स्त्री० | 母绵羊 |
| बकरी | स्त्री० | 母山羊 |
| चराना | स०क्रि० | 放牧，牧养 |
| चरना | अ०क्रि० | 吃草 |
| रखवाली | स्त्री० | 看管，看护，保护 |
| की--करना | | 看管，看护，保护 |
| आदत | स्त्री० | 习惯 |
| पाप | पु० | 罪过，罪 |
| चिल्लना (चिलाना) | अ०क्रि० | 喊，喊叫，呼叫 |
| लाठी | स्त्री० | 棍子 |
| बरछा | पु० | 标枪，矛 |
| वैसे ही | | 就那样，无目的地 |
| दु:ख | पु० | 痛苦，苦恼 |
| वापिस | अ० | 返回 |
| हमला | पु० | 进攻，攻击 |
| पर--करना | स०क्रि० | 进攻，攻击 |

## अभ्यास

**क. निम्नलिखित सवालों का जवाब दीजिए ।**

1. धोलू क्या काम करता था ?
2. धोलू शहर में रहता था या गांव में ?



试读结束：需要全本请在线购买： www.ertongbook.com

3. धोलू भेड़-बकरियों को कहां पर चराने ले जाता था ?

4. क्या धोलू को सच बोलने की आदत थी ?

5. धोलू के माता-पिता अपने बेटे से क्या कहा करते थे ?

6. एक दिन दोपहर के समय धोलू ज़ोर ज़ोर से चिलाया--" शेर आया" । क्या यह सच था ?

7. गांव वालों ने धोलू के चिलाने ही आवाज़ सुनकर क्या किया?

8. गांव वालों ने धोलू के पास पहुंचकर क्या देखा ?

9. जब एक दिन शेर सचमुच आया तब धोलू ने क्या किया?

10. गांव वालों ने धोलू के चिलाने की आवाज़ सुनकर क्या सोचा?

# संवाद

## 1.

(कमल और सुरेश दो बालक रेल के डिब्बे में बैठे हैं । दोनों एक दूसरे को नहीं जानते । कमल परिचय के लिए सुरेश से पूछता है)

कमल--भाई जी! क्या मैं आप का शुभ नाम जान सकता हूं?

सुरेश--क्यों नहीं? मुझे सुरेश कहते हैं । आप का शुभ नाम?

कमल--मुझे कमल कहते हैं । आप कहां रहते हैं?

सुरेश--चांदनी चौक, दिल्ली में मेरा घर है । आप का निवास-स्थान कहां है?

कमल--मैं आनन्द पर्वत दिल्ली में रहता हूं । अच्छा, आप कहां जा रहे हैं?

सुरेश--भाई जी! में शिमला जा रहा हूं । क्या आप भी वहीं जा रहे हैं?

कमल--नहीं, मैं अम्बाला ही उतर जाऊंगा ।

सुरेश--चलो कोई बात नहीं, अम्बाला तक हम दानों साथ रहेंगे ही ।

## 2

(अध्यापक और कन्या में संवाद)

अध्यापिका--बेटी, तुम्हारा नाम क्या है ?

कन्या--बहिन जी, मेरा नाम ललिता है ।

अध्यापिका--तुम किस लिए आयी हो, ललिता ?

ललिता--बहिन जी, स्कूल में प्रवेश पाने के लिए ।

अध्यापिका--तुम कौन सी कक्षा में प्रवेश चाहती हो ?

ललिता--बहिन जी, चौथी कक्षा में ।

अध्यापिका--लो यह फ़ार्म । इसे भरकर ले आना ।

3.

(एक बालक मुख्याध्यापक के कमरे के सामने खड़ा हुआ कुछ पूछ रहा है ।)

बालक--श्रीमान जी, क्या मैं आ सकता हूं ?

मुख्याध्यापक--हां, आ जाओ सतीश !

सतीश--श्रीमान जी, मुझे आप से कुछ निवेदन करना है ।

मुख्याध्यापक--कहो, क्या कहना चाहते हो ?

सतीश--मुझे दो घंटे के लिए घर जाना है । मेरी बहिन बुलाने आयी है । क्या मैं जा सकता हूं ?

मुख्याध्यापक--हां, तुम्हें जाने की आज्ञा है, परंतु अपनी कक्षा के अध्यापक जी को सूचित करके जाओ ।

सतीश--धन्यवाद, श्रीमान जी ।

4.

(एक कन्या विद्यालय में देर से आती है । आते ही वह अध्यापिका जी से इस प्रकार बातचीत करती है)

कन्या--बहिन जी, नमस्ते ।

अध्यापिका--नमस्ते । कहो बेटी ! आज देर से क्यों आयी हो?

कन्या--बहिन जी, आज माता जी घर पर नहीं थीं । इसलिए घर का काम करते करते देर हो गयी ।

अध्यापिका--बेटी, सूचना तो भेज दी होती ।

कन्या--बहिन जी, क्षमा करें । हमारे पड़ोस से कोई कन्या इधर आनेवाली न थी ।

अध्यापिका--तो कोई बात नहीं । चलो, कक्षा में बैठो ।

## दीपावली

अहा! आज दीपावली है । आज हमारी छुट्टी है । आज बहुत

खुशी का दिन है । आज हम पिता जी के साथ बाज़ार जाएंगे फुलझड़ियां, पटाखे, खिलौने और तस्वीरें लाएंगे । अच्छी अच्छी मिठाइयां भी लाएंगे। आज बहुत आनंद का दिन रहेगा । चलो बाज़ार चलें!

यह लो, बाज़ार आ गया । आज यहां बहुत भीड़ है । दुकानें खूब सजी हुई हैं । हलवाइयों की दुकानों को देखो । खिलौनों की दुकानों को देखो । बर्तनों की दुकानों को देखो । सभी की शोभा निराली है । भला आज इतनी खुशी क्यों है ? आज सभी इतने प्रसन्न क्यों हैं ?

आज के दिन ही राम, लक्ष्मण और सीता बनवास से लौटे थे बिछुड़े भाइयों का दुबारा मिलन हुआ था । इस खुशी में अयोध्या- वासियों ने घर-घर दीपक जलाए थे । इसलिए आज के दिन को दीपावली या दीवाली कहते हैं । हम भी अपने घर दीपक ले जाएंगे और रात को जलाएंगे । हमारा घर भी दीपकों से जगमगा उठेगा। चलो, घर चलें।

पश्चिम दिशा में देखो । सूर्य अस्त हो चुका है । घर घर में दीपक जलने लगे हैं । आओ, हम भी दीपक जलाएं । अहा! सब ओर प्रकाश ही प्रकाश है । दीपक जगमग जगमग कर रहे हैं आज का दृश्य बड़ा सुहावना है ! सभी लोग आनंद से इस दृश्य को देख रहे हैं । सब बहुत खुश हैं !

आओ, कुछ मिठाई खा लें । फिर पटाखे और फुलझड़ियां छुटाएंगे

देखो, वे बालक तो खूब पटाखे छुटा रहे हैं । लो हम भी छुटाते हैं । कैसा सुंदर दृश्य है! सभी प्रसन्न हैं । सभी आनंद मना रहे हैं ।

## शब्दावली

| | | |
|---|---|---|
| संवाद | पु० | 对话，谈话 |
| परिचय | पु० | 介绍 |
| चांदनी चौक | | 月光广场 |

| | | |
|---|---|---|
| निवास-स्थान | पु० | 居住地 |
| शिमला | 地名 | 西姆拉 |
| अम्बाला | 地名 | 安巴拉 |
| प्रवेश | पु० | 进入，加入 |
| में--करना | स०क्रि० | 进入，加入 |
| फार्म | पु० | 表格 |
| निवेदन | पु० | 请求，申请 |
| से--करना | स०क्रि० | 请求，申请 |
| बुलाना | स०क्रि० | 召唤，呼唤 |
| पड़ोस | पु० | 邻居 |
| दीपावली | स्त्री० | 灯节 |
| फुलझड़ी | स्त्री० | 烟火，烟花 |
| पटाखा | पु० | 鞭炮，爆竹 |
| खिलौना | पु० | 玩具 |
| मिठाई | स्त्री० | 甜食，糖 |
| भीड़ | स्त्री० | 人群，拥挤 |
| सजना | अ०क्रि० | 被装饰 |
| हलवाई | पु० | 做糖果、甜点的人 |
| शोभा | स्त्री० | 光彩，光辉 |
| निराला | वि० | 奇特的，奇怪的 |
| प्रसन्न | वि० | 高兴的，快乐的 |
| राम | | 罗摩（神话人物） |
| लक्ष्मण | | 拉什曼（神话人物） |
| सीता | | 悉达（神话人物） |
| बनवास(वनवास) | पु० | 林居 |
| बिछुड़ना | अ०क्रि० | 分离，离散 |
| दुबारा(दोबारा) | अ० | 再次，重新 |
| मिलन | पु० | 相逢，相遇，汇合 |

| | | |
|---|---|---|
| अयोध्या | 地名 | 阿逾陀 |
| -वासी | पु० | 居民 |
| घर घर | | 各家各户，户户 |
| दीपक | पु० | 灯 |
| जलाना | स०क्रि० | 烧，点火 |
| जगमगाना | अ०क्रि० | 发光，闪光 |
| दिशा | स्त्री० | 方向 |
| अस्त | पु० | （太阳等）落下，没落 |
| --होना | अ०क्रि० | （太阳等）落下，没落 |
| प्रकाश | पु० | 光，光亮 |
| जगमग | वि० | 闪光的 |
| --करना | स०क्रि० | 闪光 |
| दृश्य | पु० | 景象，风景 |
| छुटाना | स०क्रि० | 放，释放 |
| आनंद मनाना | | 欢天鼓舞 |

## अभ्यास

सवालों का जवाब दीजिए ।

1. क्या दीवाली के दिन छुट्टी होती है ?
2. दीवाली के दिन बालक बाज़ार जाकर कौन सी चीज़ें लेते हैं?
3. लोग क्यों दीवाली मनाते हैं ?
4. किस स्थान के वासियों ने सब से पहले दीवाली मनाना शुरू किया था ?
5. दिवाली के दिन लोग क्या जलाते हैं और बालक क्या छुड़ाते हैं ?
6. दीवाली के दृश्य का वर्णन चीनी में कीजिए ।



试读结束：需要全本请在线购买： www.ertongbook.com

## मेरा शरीर

यह मेरा सिर है । मेरे सिर पर काले बाल हैं । मैं अपने बालों में कंघी करता हूं । मैं खादी की टोपी पहनता हूं । मेरे चाचा साफ़ा पहनते हैं । मेरे दो आंखें हैं ।

आंखों से मैं देखता हूं । अपनी आंखों को मैं पानी से धोता हूं। मेरे पिता जी की आंखें कमज़ोर हैं । वे चश्मा लगाते हैं।

यह मेरी नाक है । नाक से मैं सांस लेता हूं । नाक से मैं सूंघता हूं ।

यह मेरे कान है । हम अपने कान से सुनते हैं । मेरी नानी बूढ़ी हो गयी है । इसलिए वह ठीक ठीक सुन नहीं पाती ।

यह मेरा मुंह है । मुंह से हम खाना खाते हैं । मुंह से हम पानी पीते हैं । मुंह से हम बोलते भी हैं । रोज़ सुबह उठकर मैं अपना मुंह धोता हूं और मंजन से दांत साफ़ करता हूं ।

ये मेरे हाथ हैं । ये मेरे पैर हैं । मेरे दो हाथ और दो पैर हैं। हरेक हाथ में पांच उंगलियां होती हैं । हरेक पैर में भी पांच उंगलियां होती हैं । मैं अपने हाथों से काम करता हूं । मैं अपने पैरों से चलता हूं ।

मेरा शरीर मज़बूत है । मेरी तंदुरुस्ती अच्छी है ।

## सब्ज़ीमंडी

नन्दन खेलने जा रहा था । इतने में इस की मां ने उसे बुलाया। मां ने पूछा, "बेटा, कहां जा रहे हो ?"

नन्दन--मां, कुछ काम है क्या ?

मां--बेटा, घर में तरकारी नहीं है । बाज़ार से कुछ तरकारी लानी है ।

मां ने नन्दन के हाथ में दो रूपये का नोट दे दिया ।

नन्दन तरकारी लेने जा रहा था कि इतने में उस का मित्र बिहारी

आ गया ।

बिहारी--कहां जा रहे हो नन्दन ?

नन्दन--सब्ज़ीमंडी जा रहा हूं । मुझे कुछ आलू, प्याज़, टमाटर और भिंडी खरीदनी है ।

बिहारी--मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं । मेरे चाचा जी बीमार हैं। उन के लिए मुझे कुछ फल खरीदने हैं ।

नन्दन--तुम कौन से फल खरीदना चाहते हो ?

बिहारी--मैं अंगूर, अंजीर और कुछ संतरे खरीदना चाहता हूं। एक पपीता भी लेना है ।

दोनों मित्र बातचीत करते करते सब्ज़ीमंडी पहुंचते हैं ।

नन्दन अढाई सेर आलू, एक रतल प्याज़, एक रतल टमाटर और आधा रतल भिंडी खरीदता है ।

बिहारी एक रतल अंगूर, एक सेर अंजीर, आधा दर्जन संतरे और एक पपीता मोल लेता है ।

सागभाजी और फल खरीदकर नन्दन और बिहारी अपने घर लौट आते हैं ।

## मेरा घर

मेरा नाम किसन है । मैं गांव में रहता हूं । मेरा एक छोटा सा घर है । घर खेत के पास है । मेरे घर से सटा हुआ बरामदा है। एक तरफ़ मैं गाय और बैरों को बांधता हूं । दूसरी तरफ़ मेरी मुर्गियां रहती हैं । मैंने खरगोश भी पाल रखे हैं ।

घर के सामने दोनों ओर आम के दो पेड़ हैं । इन पेड़ों की घनी छाया है ।

घर के पीछे एक कुआं है । कुएं पर चरस चलता है । चरस के पानी से खेत सींचा जाता है ।

कुएं के पास एक छोटा सा बगीचा है । इस बगीचे में मैं सागसब्ज़ी

बोता हूं ।

मैं अपने घर की सफ़ाई रखता हूं । मुझे अपना घर अच्छा लगता है ।

## मोहन का दिन

मेरा नाम मोहन है । मैं रोज़ सुबह छह बजे उठता हूं । उठकर हाथ-मुंह धोता हूं और दातौन करता हूं । फिर मैं कसरत करता हूं। कसरत के बाद मैं नहाता हूं । नहाने के बाद कलेवा करता हूं । फिर अपना पाठ याद करता हूं । इतने में दस बज जाते हैं और स्कूल जाने का समय हो जाता है ।

स्कूल में मैं हिन्दी, मराठी, गणित, इतिहास और भूगोल पढ़ता हूं। स्कूल के सभी अध्यापक हमें बहुत अच्छी तरह पढ़ाते हैं। स्कूल में हमें बहुत से खेल सिखाए जाते हैं । कभी सिनेमा भी दिखाया जाता है ।

दोपहर को एक बजे हमारी खाने की छुट्टी होती है । रमण स्कूल के पास ही रहता है इसलिए वह छुट्टी में अपने घर खाना खाने चला जाता है । मैं डब्बे में अपना खाना लाता हूं ।

साढ़े चार बजे हमारे स्कूल की छुट्टी हो जाती है । हम सब मिलकर स्कूल के मैदान में खेलते हैं । कभी फुटबाल खेलते हैं, कभी क्रिकेट । बहुत से लड़के झूले में झूलते हैं । कभी हम स्कूल के बगीचे में भी काम करते हैं । इस में हम पौधे लगाते हैं और सागभाजी बोते हैं । निपछले साल हमने पपीते के पेड़ लगाये थे ।

शाम को मैं घर लौटता हूं । हाथ-मुंह धोकर मैं दूध पीता हूं । फिर मैं अपनी बहन के साथ बैठकर गपशप करता हूं । कभी पिता जी कहानी सुनाते हैं ।

इतने में साढ़े आठ बज जाते हैं । मैं अपनी बहन के साथ भोजन करता हूं । साढ़े नौ बजे मैं सो जाता हूं ।

## शब्दावली

| | | |
|---|---|---|
| कंघी | स्त्री० | 梳子 |
| --करना | स०क्रि० | 梳头，梳理 |
| खादी | स्त्री० | 土布 |
| साफ़ा | पु० | 头巾，缠头布 |
| कमज़ोर | वि० | 弱的 |
| चश्मा | पु० | 眼镜 |
| सांस | पु० | 呼吸 |
| सूंघना | अ०क्रि० | 闻，嗅 |
| बूढ़ा | वि० | 年老的 |
| मंजन | पु० | 刷牙粉 |
| उंगली | स्त्री० | 手指，脚趾 |
| मज़बूत | वि० | 有力的，坚固的 |
| तंदुरुस्ती | स्त्री० | 健康 |
| सब्ज़ीमंडी | स्त्री० | 菜市场 |
| तरकारी | स्त्री० | 蔬菜，熟菜 |
| प्याज़ | पु० | 洋葱，葱头 |
| भिंडी | स्त्री० | 秋葵 |
| अंगूर | पु० | 葡萄 |
| अंजीर | पु० | 无花果 |
| संतरा | पु० | 橘子 |
| पपीता | पु० | 木瓜 |
| सेर | पु० | 赛尔（约一公斤） |
| रतल | पु० | 约一英镑 |
| सागभाजी | स्त्री० | 蔬菜 |
| सटना | अ०क्रि० | 连接，紧靠 |
| बरामदा | पु० | 阳台，走廊 |

| | | |
|---|---|---|
| गाय | स्त्री० | 母牛 |
| बैल | पु० | 牛，公牛 |
| बांधना | स०क्रि० | 捆，绑，系 |
| मुर्गी | स्त्री० | 母鸡 |
| कुआं | पु० | 井 |
| चरस | पु० | 皮制水囊，水桶 |
| --चलना | | 用水囊提水 |
| सींचना | स०क्रि० | 浇，灌 |
| बगीचा | पु० | 花园 |
| दातौन | पु० | 刷牙 |
| कसरत | स्त्री० | 体操 |
| --करना | स०क्रि० | 做体操 |
| कलेवा | पु० | 早点 |
| --करना | स०क्रि० | 吃早点 |
| मराठी | स्त्री० | 马拉提语 |
| गणित | पु० | 算术，计算 |
| भूगोल | पु० | 地理 |
| डब्बा | पु० | 盒子 |
| क्रिकेट | पु० | 板球 |
| झूला | पु० | 秋千 |
| झूलना | अ०क्रि० | 摇摆，动荡 |
| बोना | स०क्रि० | 种植 |
| गपशप | स्त्री० | 闲聊，空谈 |
| --करना | स०क्रि० | 聊天，闲扯 |

## अभ्यास

क. खाली जगहों को भरिए ।

1. उस (  ) दो बहनें हैं ।

2. हम लोग आंखों (  ) देखते हैं ।

3. जिन की आंखें कमज़ोर होती हैं वे (  ) लगाते हैं ।

4. हरेक आदमी (  ) एक नाक है और वह नाक से (  ) लेता है ।

5. हरेक आदमी (  ) दो कान हैं और वह कानों से (  )।

6. हरेक हाथ में पांच (  ) होती हैं और उन की लंबाई बराबर (  ) होती ।

7. सब्ज़ीमंडी में आम तोर पर (  ) आदि सब्ज़ियां बिक जाती हैं ।

8. सब्ज़ीमंडी में (  ) आदि फल भी बिक जाते हैं।

9. किसन (  ) में रहता है ।

10. खेत पानी (  ) सींचा जाता है ।

ख. " मोहन का दिन " का अनुवाद कीजिए ।



试读结束：需要全本请在线购买： www.ertongbook.com